

जल नकियों की पहली गणना

हाल ही में [जल शक्ति मंत्रालय](#) ने देश के जल संसाधनों के विषय में महत्वपूर्ण अंतरदृष्टि प्रदान करते हुए **जल नकियों की पहली गणना** रिपोर्ट जारी की।

- यह गणना भारत में **जल स्रोतों की एक व्यापक सूची** प्रदान करती है, जो **ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के बीच असमानताओं तथा अतिक्रमण** के विभिन्न स्तरों को उजागर करती है।

जल नकियों की गणना:

■ परिचय:

- जल नकियों की गणना **वर्ष 2017-18 के लिये छठी लघु संचिई संगणना** के संयोजन में की गई थी।
- यह एक जल नकिय को “**संचिई या अन्य परियोजनाओं हेतु जल के भंडारण के लिये उपयोग किये जाने वाले चारों ओर से चनाईयुक्त अथवा बना चनाई वाले प्राकृतिक या मानव निर्मित इकाइयों के रूप में**” परिभाषित करता है।
- इस गणना का उद्देश्य भारत के जल संसाधनों की एक सूची प्रदान करना है, जिसमें प्राकृतिक और मानव निर्मित जल नकिय जैसे तालाब, टैंक, झील तथा बहुत कुछ शामिल हैं, और जल नकियों के अतिक्रमण पर डेटा एकत्र करना है।

■ गणना के प्रमुख नष्कर्ष:

- गणना में देश भर में कुल 24,24,540 जल नकियों की गणना की गई, जिसमें पश्चिमबंगाल सबसे अधिक (7.47 लाख) और सikkim सबसे कम (134) है।
- रिपोर्ट से पता चलता है कि:
 - पश्चिम बंगाल में सबसे अधिक तालाब और जलाशय हैं।
 - पश्चिम बंगाल में जल नकियों के मामले में शीर्ष जिला दक्षिण 24 परगना है।
 - आंध्र प्रदेश में सबसे अधिक टैंक हैं।
 - तमिलनाडु में सबसे अधिक झीलें हैं।
 - महाराष्ट्र जल संरक्षण योजनाओं में अव्वल है।
- रिपोर्ट में बताया गया है कि 97.1 प्रतिशत जल नकिय ग्रामीण क्षेत्रों में हैं, जबकि शहरी क्षेत्रों में केवल 2.9 प्रतिशत हैं।
- अधिकांश जल नकिय तालाब हैं, इसके बाद टैंक, जलाशय, जल संरक्षण योजनाएँ, लीकेज टैंक, चेक डैम, झीलें और अन्य हैं।

WATERBODY COUNT

STATES WITH MOST WATERBODIES

State	No. of water bodies
West Bengal	7,47,480
Uttar Pradesh	2,45,087
Andhra Pradesh	1,90,777
Odisha	1,81,837
Assam	1,72,492
Jharkhand	1,07,598
Tamil Nadu	1,06,957

STATES/UTs WITH LEAST WATERBODIES

Sikkim	134
Chandigarh	188
Delhi	893
Arunachal Pradesh	993

WATERBODIES LOST TO ENCROACHMENTS

Uttar Pradesh	15,301
Tamil Nadu	8,366
Andhra Pradesh	3,920



No encroachment on waterbodies was reported from West Bengal, Sikkim, Arunachal Pradesh and Chandigarh Source: Waterbody census

■ जलाशयों का अतिक्रमण:

- गणना ने पहली बार जल नकियों के अतिक्रमण पर डेटा एकत्र किया, जिससे पता चला कि सभी गणना किये गए जल नकियों में से 1.6 प्रतिशत पर अतिक्रमण किया गया है, जिसमें 95.4 प्रतिशत ग्रामीण क्षेत्रों में और शेष 4.6 प्रतिशत शहरी क्षेत्रों में हैं।
- अतिक्रमणों का एक महत्वपूर्ण प्रतिशत जलाशय के 75% से अधिक क्षेत्र को कवर करता है।

■ महत्व:

- गणना नीति निर्माताओं को जल संसाधन प्रबंधन और संरक्षण के बारे में सूचि नरिणय लेने के लिये महत्वपूर्ण डेटा प्रदान करती है।
- यह ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच असमानताओं और अतिक्रमण को रोकने के लिये प्रभावी उपायों की आवश्यकता पर प्रकाश डालता है।
- गणना में एकत्र किया गया डेटा भारत के जल संसाधनों के भविष्य के आकलन के लिये आधार रेखा के रूप में काम कर सकता है, जो स्थायी जल प्रबंधन की दशा में परिवर्तन और प्रगति की नगिरानी में मदद करता है।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

